Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. I year)

History

Curriculum

(2021-2022)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

इतिहास का पाठ्यक्रम

भाग अ – परिचय

कार्यक्रमः प्रमाण पत्र	कक्षाः बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्षः प्रथम वर्ष	सत्रः 2021–22

विषय : इतिहास

1.	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-HIST-1T**
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	आइडिया ऑफ भारत
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टि / वोकेशनल / .....)	कोर कोर्स
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हों)	12 वीं उत्तीर्ण कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को चुन सकता है।
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटक्रम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी प्राचीन भारत के लोगों के आदिम जीवन और सांस्कृतिक स्थिति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे। वे प्राचीन भारत के सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक और राजनीतिक इतिहास के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे। उन्हें भारत के बदलते हुए सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेशों के बारे में भी जानकारी प्राप्त होगी। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी भारत के स्वर्णिम अतीत को जानेंगे एवं स्वयं को गौरवान्वित महसूंस करेंगे।
6.	क्रेडिट मान	06

7.	कुल अंक	अधिकतम अंक :25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 3 घंटे प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की कुल संख्या
प्रथम	भारतवर्ष की अवधारणा 1. भारतवर्ष को समझना 2. भारत के पर्यायों की शाश्वत्ता 3. समय और अन्तरिक्ष की भारतीय अवधारणा 4. भारत की इतिहास दृष्टि 5. भारतीय साहित्य का गौरवः वेद, वेदांग, उपनिषद, महाकाव्य, जैन एवं बौद्ध सहित्य, स्मृति, पुराण आदि	18
द्वितीय	भारतीय ज्ञान परंपरा, कला एवं सस्कृति 1. भाषा और लिपि का विकासः ब्राह्मि, खरोष्ठि, पालि, प्राकृत, संस्कृत, तिगलिरी आदि 2. भारतीय कला एवं संस्कृति की प्रमुख विशेषतायें 3. भारतीय शिक्षा प्रणाली 4. भारतीय शौर्य की नैतिक परम्परा	18

तृतीय	धर्म, दर्शन और वसुधैव कुटुम्बकम 1. धर्म और दर्शन की भारतीय अवधारणा 2. वसुधैव कुटुम्बकम का सिद्धान्त : मनुष्य ,परिवार, समाज और विश्व 3. राजनीति और शासन 4. जनपद और ग्राम स्वराज्य की अवधारणा	18
चतुर्थ	विज्ञान, पर्यावरण और चिकित्सा विज्ञान 1. प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी 2. पर्यावरण संरक्षण : भारतीय दृष्टिकोण 3. स्वास्थ्य जागरूकता (जीवन विज्ञान): आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा 4. भारतीय अंक प्रणाली और गणित	18
पंचम	भारतीय आर्थिक परम्परायें 1. भारतीय आर्थिक विचार 2. भूमि, वन एवं कृषि की अवधारणा 3. उद्योग, अंतर्देशीय व्यापार और वाणिज्य 4. समुद्री व्यापार	18
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: भारत, भाषा, कला, संस्कृति, विज्ञान तथा अर्थ।		
भाग स– अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Basham A.L.: The Wonder that was India, Rupa, Delhi 1994
2. Altekar A.S.: Education in Ancient India, Nand Kishore & Bros, Varanasi 1944
3. Balbir Singh Sihag: kautilya : The true founder of Economics, Vitasta publishing pvt. Ltd Delhi, 2014
4. Dharampal: The Beautiful Tree, Other India press , Delhi 1995
5. Elliott Faith Robertson: Gender Family and society, St. Martin press, New York , 1996
6. Arrhenius G: Evolution for space
7. Mookerji Radha Kumud : Indian shipping, pub. South Asia Books, 1999
8. Thomas Maurice: Indian Antiquities, pub. T. Maurice, 1806, London
9. Will Durant: The Story of civilization, five communications, U.S. Jan. 1993
10. Zekuthial Ginshurtg: New light on our Numerais.
11. Mookherjee R.K. The Funamental Unity of India
12. पोखरियाल (निशंक) रमेश : भारतीय संस्कृति, सभ्यता एवं परम्परा, डायमंड पब्लिकेशन, नई दिल्ली
13. टंडन किरन : भारतीय संस्कृति, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली
14. ज्ञानी शिवदत्तः भारतीय संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. मिश्र विद्या निवास : भारतीय संस्कृति के आधार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
16. सिंघानिया नितिनः भारतीय कला एवं संस्कृति, मेग्राहिल्स नई दिल्ली
17. दिनकर रामधारीसिंह : संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. कृष्ण कुमार : प्राचीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास, श्री सरस्वती सदन, नई दिल्ली
19. मिश्र जयशंकर : प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना
20. लूणिया बी.एन. : प्राचीन भारतीय संस्कृति, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
21. गुप्त शिव कुमार : प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक –

1. https://en.wikipeida.org/wiki/culture_of_India
2. https://xaviers.edu/main/index.php/ancient-indian-culture
3. https://vidyaonline.org/di/cultddk.pdf
4. https://www.livescience.com/28634-indian-culture.html
5. https://www.india-in-your-home.com/Ancient-India-Culture.html
6. https://www.indianculture.gov.in/rarebooks/ancinet-indian-historical-tradition
7. https://www.culturalindia.net/indian-history/ancient-india/index.html

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः–		
भाग द – आकलन एवं मूल्यांकन		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः अधिकतम अकः 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 75		
आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंकः 25
बाह्य आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 02.00 घंटे	अनुभाग(अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग(ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द) अनुभाग(स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 X 03 = 09 04 X 09 = 36 02 X 15 = 30 कुल अंक 75
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र इतिहास के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्षः 2021	वर्षः2021–22

विषय : इतिहास

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-HIST-2T**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्राचीन भारत का इतिहास (प्रारंभ से 1205 ई.)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (prerequisite) (यदि कोई हो)	12 वीं उत्तीर्ण कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को चुन सकता है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	विद्यार्थी, प्रागैतिहासिक युग, आद्यैतिहासिक युग और ऐतिहासिक युग में मानव के क्रमिक विकास के विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकेंगें। भारत की प्राचीन सभ्यताओं जैसे सिन्धु–सरस्वती, वैदिक सभ्यता और उत्तर वैदिक सभ्यता आदि के विषय में गहन जानकारी प्राप्त कर पायेंगे तथा विश्व की अन्य समकालीन सभ्यताओं के साथ उनकी तुलना कर पायेंगे। मौर्य काल और गुप्त काल में भारत के स्वर्णिम अतीत, उनकी दिग्विजय, कला, वास्तुकला एवं साहित्य आदि को विस्तार से समझ पायेंगे।

		वे साहसी और वीर राजपूत जाति एवं दक्षिण भारतीय राजवंशो पर सार्थक निबन्ध लिखने में सक्षम होंगे।	
6.	क्रेडिट मान	06	
7.	कुल अंक .	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33
	भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 3 घंटे प्रति सप्ताह

इकाई.	शीर्षक	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक काल इतिहास–अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्व। प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत। भारत की भौगोलिक स्थिति। प्रागैतिहासिक भारत – पाषाण काल– पुरा पाषाण, मध्य पाषाण, नव पाषाण एवं ताम्राश्म संस्कृतियाँ। आद्यैतिहासिक भारत – सिन्धु/सरस्वती सभ्यता – उद्भव, विस्तार एवं पतन। आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक जीवन। नगर निर्माण योजना एवं विभिन्न कलायें। हडप्पा सभ्यता के नवीन केन्द्र। वैदिक संस्कृति – ऋग्वैदिक एवं उत्तर वैदिक काल – राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन।	18
द्वितीय	मौर्य एवं मौर्योत्तर काल 6 वीं सदी ई.पू. में महाजनपद एवं गणराज्य। उत्तरी भारत में धार्मिक क्रान्ति–जैन एवं बौद्ध धर्म। मगध का उत्कर्ष। सिकन्दर का आक्रमण एवं उसका प्रभाव। मौर्य राजवंश की स्थापना – चन्द्रगुप्त मौर्य एवं उसका प्रशासन, अशोक और उसका धम्म, मौर्य संस्कृति एवं स्थापत्य, मौर्य साम्राज्य का पतन। शुंग वंश–पुष्यमित्र शुंग एवं उसकी उपलब्धियाँ। सातवाहन वंश – गौतमीपुत्र शातकर्णी एवं उसकी उपलब्धियाँ।	18

	शक–क्षत्रपों का काल। कुषाण वंश – कनिष्क एवं उसकी उपलब्धियाँ। गांधार एवं मथुरा कला।	
तृतीय	गुप्त काल एवं हर्षवर्धन गुप्त राजवंश की स्थापना– चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) कुमारगुप्त एवं स्कंदगुप्त और उनकी उपलब्धियाँ। गुप्त संस्कृति। गुप्तकालः स्वर्णयुग। गुप्त– वाकाटक सम्बन्ध। शकारी विक्रमादित्य एवं उनकी सांस्कृतिक उपलब्धियां,गुप्त साम्राज्य का पतन। हूण आक्रमण और उसका प्रभाव। पुष्यभूति राजवंश – हर्षवर्धन–सैनिक अभियान, प्रशासन एवं धार्मिक उपलब्धियाँ।	18
चतुर्थ	उत्तरी भारत के पूर्वमध्यकालीन राजवंश राजपूतों की उत्पत्ति : विभिन्न सिद्धांत। प्रमुख राजपूत राजवंशः गुर्जर प्रतिहार राजवंश, चन्देल राजवंश, परमार राजवंश एवं कलचुरि राजवंश– इतिहास, संस्कृति एवं स्थापत्य। भोज एवं उनकी सांस्कृतिक उपलब्धिया।	18
पंचम	दक्षिण भारतीय राजवंश एवं भारत पर विदेशी आक्रमण – दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश : पल्लव राजवंश, चालुक्य राजवंश, राष्ट्रकूट राजवंश एवं चोल राजवंश – इतिहास, संस्कृति एवं स्थापत्य । बृहत्तर भारत : दक्षिण पूर्वी एशिया में भारतीय संस्कृति का विस्तार । भारत पर अरब आक्रमण एवं उसके प्रभाव – मोहम्मद बिन कासिम । भारत पर तुर्क आक्रमण एवं उनका प्रभाव – महमूद गजनवी एवं मोहम्मद गौरी ।	18
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : इतिहास, संस्कृति, स्थापत्य, मौर्य, गुप्त, राजपूत ।		
भाग स– अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्रीः

1. Majumdar, R.C.: The History and Culture of Indian People Vol. I, Vedic Age, Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
2. Majumdar, R.C. The History and Culture of Indian People Vol. II, The Age of Imperial Unity, Bhartiya Vidya, Bhavan, Bombay, 1954
3. Majumdar, R.C.: The History and Culture of Indian People, Vol. III : The Classical Age, Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
4. Majumdar R.C.: The History of Indian People, Vol. The Age Imperial Kanauj, Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
5. Majumdar R.C.: The History of Indian People, Vol. V, The Struggle for Empire Bhartiya Vidya Bhavan, Bombay, 1954
6. Jayaswal, Vidula: Bhartiya Itihas ke Adi Charna ki Roopreka, Delhi, 1987
7. Pandey, Rajbali: Prachin Bharat, Vishwavidyalya prakashan, Varanasi, 2010.
8. Raychaudhary, H.C.: Political History of Ancient Indian, 1996. Also, in Hindi.
9. Sankalia, H.D: Prehistory and Prohistory of India and Pakistan, Poona 1974
10. Sastri, K.A. Nilakanta: A History of south India, from Prehistoric Tirnes to the fall of Vijaynagar, Oxford University Press, 1955; Also, in Hindi.
11. Singh, Kripa Shankar : Rigveda, Harrappa Sabhyata and Sanskritic Nirantarta, Kitab Ghar publication, New Delhi, 2007
12. Singh, Upinder : A history of Ancient and Early Medieval India, 2008, Pearson India, New Delhi Also, in Hindi.
13. Thapar, Romilla: Early India from the Beginnings to 1300, London, 2002.
14. Tripathi R.S. : History of Ancient India, Motilal Banarasidas, Delhi. Also in Hindi
15. श्रीवास्तव के.सी. : प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, यूनाइटेड डिपो, इलाहाबाद
16. नाहर रतिभानूसिंह : प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, किताबघर,

<table>
<tr><td colspan="3">ग्वालियर
17. श्रीवास्तक बी.के. : प्राचीन भारत का इतिहास, साहित्य भवन (संजय), आगरा
18. गुप्त शिवकुमार : प्राचीन भारत का इतिहास, पंचशील प्रकाशन, आगरा
19. पान्डेय श्रीनेत्र : प्राचीन भारत का राज. एवं सां. इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. पान्डेय विमल चन्द्र : प्राचीन भारत का राज. एवं सां. इतिहास, सेन्ट्रल पब्लिकेशन, नई दिल्ली
21.राज पुरोहित भगवती लालः राजा भोज और शकारी विक्रमादित्य, स्वराज संस्थान, भोपाल</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :</td></tr>
<tr><td colspan="3">भाग द – आकलन एवं मूल्यांकन</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ:
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 25 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 75</td></tr>
<tr><td rowspan="3">आंतरिक मूल्यांकन :
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</td><td>क्लास परीक्षण</td><td>15</td></tr>
<tr><td>असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण</td><td>10</td></tr>
<tr><td></td><td>कुल अंकः 25</td></tr>
<tr><td>बाह्य आकलनः
विश्वविद्यालयीन परीक्षा :
समय– 02.00 घंटे</td><td>अनुभाग(अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)
अनुभाग(ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)
अनुभाग(स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)</td><td>03 X 03 = 09
04 X 09 = 36
02 X 15 = 30
कुल अंक : 75</td></tr>
<tr><td colspan="3">कोई टिप्पणी / सुझाव</td></tr>
</table>